पंचायत को सशक्त एवं सहभागितापूर्ण बनाने का लोक चेतना समिति का प्रयास

लोक चेतना समिति पंचायती राज व्यवस्था को जमीनी स्तर पर सशक्त स्वशासन का माध्यम मानते हुए ग्राम पंचायतों के समावेशी विकास के लिए,विशेषकर सामाजिक-आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के हित मेंकार्य कर रही है.कई पंचायतों में निर्णय कुछ गिने-चुने निर्वाचित प्रतिनिधियों तक सीमित रह जाते हैं, जिससे जनभागीदारी, पारदर्शिता और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रभावित होता है। इस चुनौती के समाधान हेतु लोक चेतना समिति ने पुरुषों एवं महिलाओं कीग्रामसभा स्थायी समितियोंका गठन किया, जो निर्वाचित पंचायतों के साथ मिलकर योजनाओं की जानकारी, लाभार्थी चयन, निगरानी और क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।संस्था के प्रयासों से 21ग्राम पंचायतों में गठित 1028 सदस्यीय स्थायी समितियों के माध्यम से जनभागीदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि हुई है। महिला प्रधानों और दलित प्रतिनिधियों का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा ग्राम सभा बैठकों में महिलाओं और हाशिए के समुदायों की भागीदारी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। हालाँकि पितृसत्तात्मक सोच, जातिगत भेदभाव और निजी स्वार्थ जैसी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं, फिर भी लोक चेतना समिति का यह प्रयास पंचायतों को अधिक उत्तरदायी, पारदर्शी और वास्तव में जन-शासित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और सशक्त पहल है।

पंचपरमेश्वर विद्यापीठ के तत्वधान में आयोजित ग्रामीण नेतृत्व विकास कार्यक्रम (RLDP)

पंचपरमेश्वर विद्यापीठ के तत्वावधान में आयोजित ग्रामीण नेतृत्व विकास कार्यक्रम (RLDP) के प्रथम चरण का प्रशिक्षण10 अक्टूबरको चिरईगांव तथा13 दिसंबरको धरसौना (चोलापुर) में संपन्न हुआ। लोक चेतना समिति कार्यालय, चिरईगांव एवं पंडित दीनदयाल मांगलिक भवन, धरसौना में आयोजित इस प्रशिक्षण में कुल90 प्रतिभागियोंने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम स्तर पर जागरूक, सक्षम और जिम्मेदार नेतृत्व विकसित करना था। प्रशिक्षण के अंतर्गत महिलाओं और युवाओं को पंचायत व्यवस्था, सरकारी योजनाओं तथा सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर जानकारी दी गई। समूह चर्चा, अनुभव साझा करने और केस स्टडी के माध्यम से प्रतिभागियों की निर्णय क्षमता एवं आत्मविश्वास में वृद्धि हुई, जिससे वे पंचायत बैठकों में सक्रिय भूमिका निभाने और शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण व स्वच्छता जैसे मुद्दों पर पहल करने के लिए प्रेरित हुए।

महिला चेतना समिति:महिलानेतृत्व, बदलाव और ग्राम स्तर पर प्रभाव

प्रत्येक ग्राम पंचायत में 34–50 महिलाओं की भागीदारी से महिला चेतना समितियों का गठन किया गया है। नियमित बैठकों के माध्यम से स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, महिला हिंसा, आजीविका, कानूनी अधिकार, जेंडर न्याय एवं सरकारी योजनाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा होती है। महिला नेतृत्व उभारना, जेंडर न्याय व बराबरी हेतु संघर्ष करना, तथा पंचायत में निर्णय लेने की दिशा में महिलाओं तैयार करना, आदि, महत्वपूर्ण प्रयास है। वे पंचायत बैठकों और सामुदायिक निर्णयों में सक्रिय हुईं। महिलाएँ ग्राम सभाखुली बैठकोंमेंप्रस्ताव रखने और पंचायत की निर्णय-प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

इन हस्तक्षेपों से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और घरेलू, मानसिक व शारीरिक हिंसा में सकारात्मक बदलाव, विशेषकर संगठन से जुड़ी महिलाओं मेंदेखने को मिला है । कानूनी जागरूकता, स्वास्थ्य-पोषण और योजनाओं से जुड़ाव से महिलाओं को प्रत्यक्ष लाभ मिला है तथा भेदभाव के खिलाफ आवाज़ मजबूत हुई है।वर्तमान में कार्यक्षेत्र की 32ग्राम पंचायतों में गठित महिला चेतना समितियों से 1307महिलाएँ जुड़ी हैं। पितृसत्तात्मक दबाव और संसाधनों की सीमाओं के बावजूद, यह पहल गाँवों में महिला पहचान, नेतृत्व और निर्णय-निर्माण में सशक्त भूमिका सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी सिद्ध हो रही है।

महिला चेतना समिति की खण्ड स्तरीय बैठक

लोक चेतना समिति सभागार में महिला चेतना समिति, चिरईगांव, की खंड स्तरीय बैठक 24/10/2025 को आयोजित की गई, जिसमें 8 पंचायतों से 25 महिलाओं ने सहभागिता की। बैठक का उद्देश्य महिला संगठन की भूमिका को सशक्त करना और महिलाओं के अधिकारों व भागीदारी पर विमर्श करना था। वक्ताओं ने संविधान द्वारा प्रदत्त समान अधिकारों के बावजूद महिलाओं की चुनौतियों पर प्रकाश डाला और संगठित, जागरूक होकर बदलाव लाने का आह्वान किया। चर्चा में पंचायत स्तर पर बैठकों की स्थिति, सहभागिता की कमी और सुधार की आवश्यकता सामने आई। बैठक में ग्राम स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाने, संगठन को मजबूत करने तथा जरूरतमंद महिलाओं को त्वरित सहयोग उपलब्ध कराने पर सहमति बनी।

स्वरोजगार और आर्थिक स्वावलंबन कि दिशा में महिलाएं

समूह से जुड़ी महिलाओं को प्रत्येक बैठक में स्वावलंबन के प्रति निरंतर जागरूक किया जाता है, ताकि उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हो, वे आत्मनिर्भर बनें और निर्णय लेने की दिशा में सशक्त रूप से आगे बढ़ सकें। इस त्रैमास में समूह से जुड़ी 47 महिलाओं ने ₹5,000 से ₹25,000 तक की आर्थिक सहायता लेकर स्वयं की पहल पर विभिन्न आजीविका गतिविधियाँ शुरू कीं, जिनमें ब्रेड–पकौड़ा, चाट–फुलकी, अंडा, मछली एवं मीट विक्रय, जूता–चप्पल की दुकान, कपड़े एवं महिला सौंदर्य प्रसाधन की दुकान, टॉफी–बिस्कुट की दुकान, जनरल स्टोर तथा फूलों की खेती शामिल हैं। इन प्रयासों से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। ये महिलाएँ अपने गाँव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में उभर रही हैं।

संवैधानिक समाज निर्माण में युवाओं का नेतृत्व

ग्रामीण युवाओं को संगठित करने के लिए 15–20 सदस्यों के छोटे समूहों में किशोरी एवं युवा संगठन का गठन किया गया। इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य युवाओं को भारतीय संविधान, विशेषकर उसकी प्रस्तावना में निहित मूल्यों की सही समझ देना है, ताकि वे अपने विचार और व्यवहार को संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप विकसित कर सकें। साथ ही, युवाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास, उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहन, लैंगिक समानता व न्याय पर जोर, तथा लैंगिक हिंसा और भेदभाव के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर कार्य किया जा रहा है। पंचायत और ब्लॉक स्तर पर नियमित बैठकों व प्रशिक्षणों के माध्यम से उन्हें जिम्मेदार और जागरूक नागरिक बनने हेतु सक्षम बनाया गया।

अब तक कुल 22 ग्राम पंचायतों मेंयुवा संगठन का गठन किया जा चुका है जिससे 605 किशोर-किशोरियाँ जुड़े हैं। प्रत्येक पंचायत में एक या दो ऐसे युवा/युवतियाँ उभरकर सामने आए हैं, जो नेतृत्व की भूमिका निभाने की क्षमता और रुचि प्रदर्शित कर रहे हैं। हालांकि, युवा बालक-बालिकाओं की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना एक प्रमुख चुनौती बना हुआ है, जिसके कारण गतिविधियों की निरंतरता प्रभावित होती है और कार्यक्रम के अपेक्षित प्रभाव सीमित रह जाते हैं।

अहिंसा दिवस : गाँधी जयंती

गांधी जयंती की पूर्व संध्या,1 अक्टूबर एवं 2 अक्टूबर को "समाज निर्माण में गांधी जी के सत्य के मार्ग" विषय पर, लोक चेतना समिति के कार्य क्षेत्र के अलग-अलग पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण एवं भजन *"रघुपति राघव राजा राम"* से हुआ। वक्ताओं ने विषय पर बात रखते हुए,सत्य, अहिंसा, स्वावलंबन, सामाजिक समानता एवं नैतिक मूल्यों को समाज निर्माण की आधारशिला बताते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्योगों को बढ़ावा देने तथा महिलाओं एवं युवाओं की सशक्त भागीदारी पर बल दिया। साथ ही भ्रष्टाचार, हिंसा और भेदभाव के विरुद्ध गांधीवादी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किये । कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, छात्र-छात्राएँ, महिला संगठन एवं स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की और सत्य, अहिंसा एवं नैतिक मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर एक समतामूलक, शांतिपूर्ण एवं सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस: "मैं लड़की हूँ, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूँसंकट की अग्रिम पंक्तिमें लड़कियाँ"

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर,11 से 16 अक्तूबर तक,*"मैं लड़की हूँ, मैं बदलाव का नेतृत्व करती हूँ: संकट की अग्रिम पंक्ति में लड़कियाँ"* विषय पर, कार्यक्षेत्र के दो ब्लॉकों की पाँच जगहों पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं के नेतृत्व, सशक्तिकरण तथा संकट के समय समाज में उनकी सक्रिय भूमिका को उजागर करना था। वक्ताओं ने घर, विद्यालय और समाज में व्याप्त लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करने हेतु जनजागरूकता और व्यवहारिक बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया गया। बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने का भी आह्वान किया। यह रेखांकित किया गया कि प्राकृतिक, सामाजिक–आर्थिक और पारिवारिक संकटों में लड़कियाँ केवल प्रभावित ही नहीं होतीं, बल्कि समाधान और बदलाव की नेतृत्वकर्ता भी बन रही हैं। कार्यक्रम का समापन "मैं लड़की हूँ, मैं नेतृत्व करती हूँ" के सशक्त संदेश के साथ हुआ, जिसमें बालिकाओं, किशोरियों, संगठन की महिलायें, शिक्षकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय समुदाय के लगभग 270 लोगों ने सहभागिता की।

समाज को समझने की सार्थक यात्रा: लोक चेतना समिति में छात्र–छात्राओं का एक्सपोज़र विज़िट

लोक चेतना समिति के कार्यों एवं संस्था की भूमिका से परिचित कराने हेतु 13/11/25 को विश्व ज्योति गुरुकुल,क्राइस्ट नगर, से दर्शन शास्त्र के 16 छात्रों तथा 15/12/25 को महादेव पीजी कॉलेज, बरियासनपुर, से समाज कार्य के 22 छात्र–छात्राओं का एक्सपोज़र विज़िट आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के सचिव डॉ. रसल राज, निदेशिका रंजू सिंह एवं जिला समन्वयक पूनम जी द्वारा लोक चेतना समिति की स्थापना, उद्देश्य, कार्यक्षेत्र तथा प्रमुख सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। छात्र–छात्राओं को अधिकार,लैंगिक समानता, महिला हिंसा की रोकथाम, सामुदायिक जागरूकता, ग्राम विकास एवं सामाजिक न्याय से संबंधित कार्यक्रमों से अवगत कराया गया। संवादात्मक सत्र के माध्यम से छात्रों ने सामाजिक कार्य की प्रक्रिया, चुनौतियों और अवसरों को समझा। भ्रमण के अंत में उन्हें सामाजिक कार्यों से जुड़ने एवं सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन में सक्रिय भूमिका निभाने हेतु प्रेरित किया गया। यह एक्सपोज़र विज़िट छात्र–छात्राओं के लिए ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुआ।

संविधान दिवस:" संवैधानिक समाज निर्माण में न्याय और बंधुता की प्रासंगिकता"

संविधान दिवस के अवसर पर, 26 नवम्बर को, चिरईगांव एवं चोलापुर की नौ ग्राम पंचायतों में "सामाजिक समाज निर्माण में न्याय और बंधुता की प्रासंगिकता" विषय पर सभाओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को भारतीय संविधान के मूल्यों—विशेषकर न्याय और बंधुता—के प्रति जागरूक करना एवं सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ करना था।वक्ताओं ने संविधान की प्रस्तावना में निहित सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय तथा बंधुता के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि न्याय के बिना समान अवसर और बंधुता के बिना सामाजिक एकता संभव नहीं है। पंचायत स्तर पर आपसी सहयोग, भाईचारे, भेदभाव-मुक्त समाज और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व पर विशेष जोर दिया गया।सभाओं में ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। अंत में संविधान की शपथ के माध्यम से सभी ने न्यायपूर्ण, समतामूलक एवं बंधुत्वपूर्ण समाज के निर्माण हेतु मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

संविधान दिवस:छात्रों में संविधान चेतना जागृत करने का प्रयास

संविधान दिवस के अवसर पर चोलापुर और चिरईगांव ब्लॉक के पाँच इंटर कॉलेजों में लगभग 200 छात्र–छात्राओं की सहभागिता के साथ भारतीय संविधान पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की समझ विकसित करना तथा लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति रुचि उत्पन्न करना था। प्रश्नोत्तरी में संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य, न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व जैसे विषयों पर 25 बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल थे, जिनके माध्यम से छात्रों ने अपनी संवैधानिक समझ का प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं संविधान के पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिली। अंत में शिक्षकों एवं आयोजकों ने संविधान के मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया।

यह कार्यक्रम ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं संविधान चेतना को सशक्त करने वाला सिद्ध हुआ।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंतीपर संगोष्ठी: *"लोक शक्ति की अवधारणा- सत्ता का विकेंद्रीकरण"*

लोक चेतना समिति परिसर में 10 अक्टूबर को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती के अवसर पर "लोक शक्ति की अवधारणा – सत्ता का विकेंद्रीकरण" विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का उद्देश्य जे.पी. के विचारों को समझना तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था में जन भागीदारी को सशक्त करने पर विमर्श करना था। कार्यक्रम में पूर्व प्रधान बालकिशुन, संस्था अध्यक्ष निति भाई, जागृति राही और विजयनारायण ने संपूर्ण क्रांति, लोक शक्ति की भूमिका और सत्ता के विकेंद्रीकरण के महत्व पर विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब निर्णय प्रक्रिया में जनता, ग्राम पंचायतों और स्थानीय संस्थाओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित हो, जिससे सामाजिक न्याय, पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलता है। प्रतिभागियों ने जे.पी. के विचारों की वर्तमान प्रासंगिकता पर चर्चा की और उन्हें व्यवहार में उतारने का संकल्प लिया। संगोष्ठी में चिरईगांव और चोलापुर के ग्राम पंचायतों से लगभग 100 लोगों की भागीदारी थी।

सम्मान, सुरक्षा और समानता: महिला हिंसा रोकथाम के लिए 16 दिवसीय अभियान

महिलाओं एवं लड़कियों के विरुद्ध होने वाली हिंसा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक 16 दिवसीय अभियान संचालित किया गया।इस दौरान चिरईगांव एवं चोलापुर की 40 ग्राम पंचायतों में सभाएँ, रैलियाँ, दीवार लेखन, कैंडल मार्च, पर्चा वितरण और साइकिल रैली जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। महिलाओं एवं किशोरियों को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा हिंसा के विरुद्ध उपलब्ध कानूनी और सामाजिक सहयोग की जानकारी दी गई। जागरूकता बैठकों और समूह चर्चाओं में शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, भावनात्मक एवं बढ़ती डिजिटल हिंसा पर संवाद किया गया तथा हेल्पलाइन नंबर और सहायता सेवाओं की जानकारी साझा की गई। अभियान से महिलाओं और लड़कियों में विशेषकर घरेलू व डिजिटल हिंसा के प्रति जागरूकता बढ़ी और उन्होंने हिंसा के विरुद्ध आवाज़ उठाने का संकल्प लिया।इस अभियान के माध्यम से 3,005 से अधिक लोगों तक महिला हिंसा रोकथाम का सशक्त संदेश पहुँचाया गया।

महिला- किशोरियों का थाना भ्रमण

महिला हिंसा विरोधी अभियान के अंतर्गत महिला संगठन से जुड़ी महिलाओं एवं किशोरियों का थाना भ्रमण 6/12/2025 को चोलापुर तथा 10/12/2025 को चौबेपुर थाने में कराया गया। भ्रमण का उद्देश्य कानून व्यवस्था की भूमिका को समझना, हिंसा रोकथाम के उपायों की जानकारी लेना तथा पुलिस–समुदाय संवाद को सशक्त करना था। पुलिस अधिकारियों ने महिला एवं बाल सुरक्षा, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, कानूनी प्रावधानों और त्वरित सहायता व्यवस्थाओं पर जानकारी दी। महिलाओं और किशोरियों ने घरेलू व लैंगिक हिंसा पर खुलकर चर्चा की, जिसकी सराहना थाना प्रभारी ने की। अंत में प्रतिभागियों को किसी भी समस्या की स्थिति में निर्भीक होकर पुलिस से सहयोग लेने के लिए प्रेरित किया गया।

मानवाधिकार दिवस

10 दिसंबर को,मानवाधिकार दिवस के अवसर पर"इंसान के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित हो"के संदेश के साथ चौबेपुर बाजार, जाल्हुपुर बाजार, धरसौना एवं छाही दामोदर बाजार में रैली, मानव श्रृंखला और सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मानवाधिकारों के प्रति जागरूक करना तथा उनके संरक्षण के महत्व को रेखांकित करना था। रैली के दौरान तख्तियों पर लिखे नारों के माध्यम से समानता, स्वतंत्रता, सम्मान और न्याय जैसे मूल मानवाधिकारों का संदेश जन–जन तक पहुँचाया गया। मानव श्रृंखला के माध्यम से प्रतिभागियों ने एकजुटता और आपसी सहयोग का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया। सभा में वक्ताओं ने मानवाधिकारों के महत्व, उनके उल्लंघन के दुष्परिणाम तथा संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों से लगभग 400 लोगों की सक्रिय भागीदारी रही।

बाबासाहेब अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस: सामाजिक न्याय की अमर विरासत

भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर6 दिसंबरको चिरईगांव एवं चोलापुर क्षेत्र की 7 ग्राम पंचायतों में सभाओं का आयोजन किया गया। इन सभाओं का उद्देश्य डॉ. अम्बेडकर के विचारों तथा सामाजिक न्याय, समानता और संवैधानिक मूल्यों को जन–जन तक पहुँचाना था। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. अम्बेडकर के जीवन संघर्ष, शिक्षा के महत्व, छुआछूत उन्मूलन, महिला अधिकारों तथा भारतीय संविधान के निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही ग्राम स्तर पर समान अधिकार, सामाजिक समरसता और लोकतांत्रिक भागीदारी को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं, युवाओं, किशोरियों, मनरेगा श्रमिकों एवं पंचायत प्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही।

कैंसर जागरूकता अभियान

"जीते कैंसर से जंग" विषय पर चिरईगांव की 15 तथा चोलापुर की 20 ग्राम पंचायतों में जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत ग्राम सभाओं में बैठकें आयोजित कर पोस्टर, चार्ट एवं पम्पलेट के माध्यम से कैंसर के लक्षणों, कारणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। तंबाकू सेवन से होने वाले कैंसर पर विशेष चर्चा तथा निःशुल्क जांच एवं रेफरल सेवाओं की जानकारी साझा की गई। महिलाओं, किशोरियों एवं पुरुषों की सक्रिय सहभागिता रही, जिसमें आशा बहुओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा पंचायत प्रतिनिधियों का सहयोग प्राप्त हुआ। अभियान से कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ी और समय पर जांच व उपचार के महत्व की समझ विकसित हुई। इस जागरूकता अभियान के माध्यम से 1,092 से अधिक महिलाओं तक सीधे पहुँच बनाते हुए उन्हें सशक्त रूप से जागरूक किया गया।.

कैंसर पर आशा बहुओं का जन जागरूकता प्रशिक्षण

चोलापुर एवं चिरईगांव ब्लॉक में6 एवं 8 दिसंबरको कुल60 आशा बहुओंकी सहभागिता के साथ कैंसर पर जन-जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य स्तन, सर्वाइकल एवं मुख कैंसर के लक्षणों, जोखिम कारकों, जांच प्रक्रियाओं तथा बचाव के उपायों की जानकारी देकर आशा बहुओं को समुदाय स्तर पर जागरूकता और प्रारंभिक पहचान के लिए सक्षम बनाना था। प्रतिभागियों को स्वयं परीक्षण, नियमित स्क्रीनिंग, संदिग्ध मामलों के रेफरल तथा स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता फैलाने की भूमिका पर प्रशिक्षित किया गया। प्रशिक्षण के बाद आशा बहुओं ने नियमित स्क्रीनिंग के महत्व पर सहमति जताई औसमुदाय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया; इसके अंतर्गत CHC चोलापुर एवं नरपतपुर में कैनोपी लगाकर जनजागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस –"समावेशी समाज से ही सच्ची सामाजिक प्रगति"

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर14/12/2025को बारियासनपुर स्थित लोक चेतना समिति परिसर में"समावेशी समाज से ही सच्ची सामाजिक प्रगति"विषय पर संगोष्ठी एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के अधिकारों, सम्मान तथा समाज की मुख्यधारा में उनकी पूर्ण सहभागिता के महत्व को रेखांकित करना था। संगोष्ठी में संस्था सचिव रसल राज, जिला समन्वयक पूनम, प्रथम संस्था से रामप्रवेश तथा अम्मुख फाउंडेशन से शिवनरेश ने समान अवसर, सुलभता, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक स्वीकृति की आवश्यकता पर विचार रखे तथा सरकारी योजनाओं व कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। इसके उपरांत आयोजित खेलकूद प्रतियोगिताओं में दिव्यांग प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेताओं सहित सभी सहभागियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न ग्राम पंचायतों से 105 लोगों की भागीदारी रही तथा समावेशी समाज के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया गया।

दिवाली मिलन समारोह:विश्व शांति हेतु सर्व धर्म प्रार्थना सभा

लोक चेतना समिति प्रांगण में18 अक्टूबर 2025को दिवाली मिलन समारोह का आयोजन शांति और सामाजिक सद्भाव के वातावरण में किया गया। विश्व में अशांति को देखते हुए समाज में शांति और समरसता बढ़ाने हेतु सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन, सर्वधर्म प्रार्थना गीत और धर्मग्रंथों के पाठ से हुआ। वक्ताओं ने भेदभाव रहित, प्रेम, करुणा, अहिंसा और मानवता पर आधारित समाज निर्माण पर जोर दिया। समापन में कार्यालय से कैंडल मार्च निकाला गया, जो ब्लॉक मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर समाप्त हुआ, और अंधकार पर प्रकाश, नफरत पर प्रेम तथा हिंसा पर अहिंसा की जीत का प्रतीकात्मक संदेश दिया।

क्रिसमस मिलन समारोह विषय : "अपने शत्रुओं से प्रेम करों"

क्रिसमस के पावन अवसर पर लोक चेतना समिति, चिरईगांव के प्रांगण में"*अपने शत्रुओं से प्रेम करो*"विषय पर क्रिसमस मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बढ़ती हिंसा, नफरत और वैमनस्यता के बीच प्रेम, क्षमा और मानवीय मूल्यों का संदेश देना था। दीपप्रज्वलन और चेतना छात्रावास की बच्चियों द्वारा प्रस्तुत डांस और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से समारोह का शुभारंभ हुआ। संस्था सचिव डॉ. जयंत और वक्ताओं प्रो. रमेश चंद्र नेगी, फादर हेंड्री, प्रो. डॉ. मोहम्मद आरिफ,रामदुलार एडवोकेट एवं संकल्प बौधी ने शत्रु से प्रेम, सहनशीलता और सामाजिक सद्भाव के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रतिभागियों ने यीशु मसीह के जीवन एवं शिक्षाओं से प्रेरणा लेते हुए प्रेम, शांति और सद्भाव के मार्ग पर चलने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने कीज़रूरत पर ज़ोर दिया गया । कार्यक्रम में चेतना छात्रावास के बच्चियों के अभिभावक, संस्था के पुराने कार्यकर्ता और स्थानीय ग्रामपंचायतों सहित लगभग250 लोगोंने भाग लिया।

कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय क्षमतावृद्धि प्रशिक्षण

लोक चेतना समिति के मुख्य कार्यालय में19 और 20 दिसंबरको कार्यकर्ताओं के लिए दो दिवसीय क्षमतावृद्धि प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले साथियों को सामाजिक मुद्दों, सरकारी योजनाओं, संगठनात्मक कार्यशैली और नेतृत्व कौशल से सशक्त बनाना था। सामाजिक चिन्तक मनीष शर्मा और संस्था सचिव जयंत ने प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया। प्रशिक्षण की शुरुआत परिचय सत्र और अपेक्षा साझा करने से हुई। समूह चर्चा, प्रश्न–उत्तर, केस स्टडी और अनुभव साझा जैसी सहभागितापूर्ण विधियों के माध्यम से प्रशिक्षण रोचक और प्रभावी बनाया गया। सभी कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी की और प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

चेतना छात्रावास के बच्चियों के अभिभावक साथ बैठक

चेतना छात्रावास में बालिकाओं के अभिभावकों के साथ, दिनांक 22 नवंबर 2025को, बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभिभावकों से उनके घर की स्थिति और बालिकाओं की पढ़ाई तथा छात्रावास में उनके समग्र विकास पर चर्चा की गई। अभिभावकों को बच्चियों की आगामी माध्यमिक शिक्षा हेतु मासिक ₹200 की बचत नियमित जमा करने के लिए याद दिलाया गया। बच्चों से मिलने के लिए माह के प्रथम रविवार को आने का मार्गदर्शन दिया गया। समुदाय में प्रचलित अंधविश्वास और गलत उपचार पद्धतियों पर भी चर्चा हुई, जिससे जागरूकता बढ़ाने और सही दिशा में कदम बढ़ाने पर जोर दिया गया। सभी अभिभावक अपनी बच्चियों से मिले और उनके शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास को देखकर संतोष व्यक्त किया।

न्याय की ओर एक कदम: महिला हिंसा विरोधी अभियान के तहत घरेलू हिंसा पीड़िता को मिलासंबल

केस स्टडी 1: खामोशी से साहस तक: महिला संगठन के हस्तक्षेप से घरेलू हिंसाके विरुद्ध कुसुम की जीत

हथियार कला की निवासी कुसुम (परिवर्तित नाम) विवाह के बाद दहेज को लेकर ससुराल पक्ष द्वारा लगातार मानसिक व शारीरिक हिंसा, मारपीट और धमकियों का सामना कर रही थी। सामाजिक दबाव और जानकारी के अभाव में वह लंबे समय तक चुप रही।

महिला हिंसा विरोधी अभियान के एक जागरूकता कार्यक्रम में कुसुम ने अपनी समस्या महिला संगठन के साथ साझा की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संगठन ने तुरंत हस्तक्षेप किया। कुसुम की सहमति से 1090 महिला हेल्पलाइन पर संपर्क किया गया, जहाँ पुलिस ने कॉन्फ्रेंस कॉल के माध्यम से पति, सास और ससुर को समझाया और कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

महिला समूह की सक्रिय भूमिका, पुलिस हस्तक्षेप और काउंसलिंग के परिणामस्वरूप ससुराल पक्ष ने अपना व्यवहार सुधारने का आश्वासन दिया। कुसुम की सुरक्षा सुनिश्चित की गई तथा उसे कानूनी अधिकारों, संरक्षण अधिनियम और सहायता सेवाओं की जानकारी दी गई। इस सहयोग से कुसुम का आत्मविश्वास बढ़ा और यह केस समय पर सहायता एवं महिला समूह की भूमिका से घरेलू हिंसा के समाधान का प्रभावी उदाहरण बना।

केस स्टडी 2 :संवाद से समाधान तक: महिलासंगठन के हस्तक्षेप से सरोज को मिली हिंसा से मुक्ति

चिरईगांव ग्राम पंचायत उक्थी की निवासी सरोज (परिवर्तित नाम) अपने शाराबी पति के गाली-गलौज, मारपीट और मानसिक हिंसा से पीड़ित थी। भय और सामाजिक दबाव के कारण वह लंबे समय तक चुप रही, जिससे हिंसा बढ़ती गई।

महिला हिंसा विरोधी अभियान के दौरान सरोज ने महिला संगठन से अपनी पीड़ा साझा की। महिला संगठन की सक्रिय महिलाओं ने तुरंत हस्तक्षेप करते हुए उसे कानूनी अधिकारों और घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम की जानकारी दी तथा पति के साथ काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू की। पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय की मौजूदगी में संवाद के कई दौर हुए।

महिला समूह की सक्रिय भूमिका और सामुदायिक दबाव के परिणामस्वरूप पति ने अपनी गलती स्वीकार की, सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और भविष्य में हिंसा न करने का आश्वासन दिया। सरोज का आत्मविश्वास बढ़ा और यह केस महिला समूह के सहयोग से घरेलू हिंसा के सफल समाधान का सशक्त उदाहरण बना।

'संविधान दिवस के अवसर छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

स्वतंत्र पत्रकार विजन
संवाददाता रितेश कुमार
वाराणसी दिनांक 26 नवंबर 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर क्विज प्रतियोगिता के द्वारा छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया जिसमें सर्वप्रथम संविधान दिवस क्यों मनाया जाता है संविधान प्रदत न्याय एवं बंधुता पर चर्चा कर आज के अवसर पर उनके मूल्य वर्तमान समय में कहां हैं उनको जाना गया उसके बाद 25 प्रश्नों की प्रश्नावली दी गई और विजेताओं को सम्मानित किया गया जिसमेंराम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज के प्रबंधक संजय यादव द्वारा संध्या राजभर खुशबू सोनकर आंचल यादव खुशी यादव प्रमाण पत्र दे कर एवं संविधान की पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया उसके बाद संविधान की प्रस्तावना पढ़कर शपथ लिया गया कार्यक्रम जन विकास समिति के आयोजन में किया गया।

संविधान दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं क्विज प्रतियोगिता

स्वतंत्र पत्रकार विजन
संवाददाता रितेश कुमार
वाराणसी दिनांक 25 नवंबर 2025 को संविधान दिवस के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं क्विज प्रतियोगिता जय जवान जय किसान इंटर कॉलेज चुनकुनी में किया गया है जिसमें सर्वप्रथम संविधान दिवस के उद्देश्य तथा आज के दिवस का मुख्य विषय समाज निर्माण में न्याय बंधुता पर प्रकाश डालते हुए सर्वप्रथम सामाजिक न्याय ,आर्थिक न्याय ,राजनीतिक न्याय क्या है उस पर समझ बनाया गया एवं बंधुता को गतिविधि करके प्रदर्शित किया गया इसके बाद क्विज प्रतियोगिता कराया गया तथा प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया जिसमें प्रथम स्थान पर 24 अंकप्राप्त करने वाली अंकित भारती को पिता सुरेंद्र भारती ग्राम चुनकुनी को सहायक अध्यापक संदीप यादव द्वारा सम्मानित किया गया है उसके बाद द्वितीय स्थान पर करिश्मा गुप्ता जो की 21 नंबर प्राप्त किया था पिता का नाम संजय गुप्ता ग्राम चुनकुनी सहायक अध्यापिका दीक्षा द्वारा सम्मानित किया गया सी तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली अंजली यादव जो की 19 नंबर प्राप्त की थी पिता का नाम अजय यादव ग्राम खुटेहना को सामाजिक कार्यकर्ता सूबेदार द्वारा सम्मानित किया गया प्रतिभागियों से उनका अनुभव लिया गया तथा विजेताओं से आगे के लक्ष्य के बारे में जाना गया प्रधानाचार्य द्वारा धन्यवाद देकर कार्यक्रम का समापन किया गया है।

महिला हिंसा के विरोध में कैंडल मार्च

स्वतंत्र पत्रकार विजन
संवाददाता रितेश कुमार
वाराणसी दिनांक 7 दिसंबर 2025 को टिसौरा ग्राम पंचायत में महिला चेतना समिति के तत्वाधान में महिला हिंसा के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया और अंधकार रूपी हिंसा मिटाकर प्रकाश रूपी दीप के द्वारा संविधान के मूल्य पर आधारित समाज बनाने की दिशा में संदेश दिया गया जिसमें शारीरिक हिंसा मानसिक हिंसा, भावनात्मक हिंसा, आर्थिक हिंसा,यौनिक हिंसा पर समझाया गयाकार्यक्रम में पूजा नीलम रीमा शाहजहां फातिमा सूबेदार की भागीदारी रही कार्यक्रम में दर्जनों लोगों भागीदारीकिया गया

स्टेट मीडिया

www.statemedianews.com | सब पे नज़र-सच्ची खबर | आर.एन.आई. नं. UPHIN/2017/74622

वर्ष-8 अंक-282 (शनिवार, 11 अक्टूबर, 2025) पृष्ठ-8

लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

लोक शक्ति की अवधारणा और सत्ता का विकेंद्रीकरण विषय पर हुआ विचार विमर्श

वाराणसी (स्टेट मीडिया संवाददाता)। चिरईगांव स्थित लोक चेतना समिति के मुख्य सभागार में शनिवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय लोक शक्ति की अवधारणा और सत्ता का विकेंद्रीकरण रखा गया था। संगोष्ठी में वक्ताओं ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण के विचारों और उनके सामाजिक परिवर्तन में योगदान पर विस्तार से चर्चा की।

स्टेट मीडिया

लोकनायक जयप्रकाश नारायण जयंती पर संगोष्ठी आयोजित

लोक शक्ति की अवधारणा और सत्ता का विकेंद्रीकरण विषय पर हुआ विचार विमर्श

–: सम्पर्क :–

लोक चेतना समिति

चिरईगाँव ब्लाक मुख्यालय के पास
पो.– बरियासनपुर, वाराणसी – 221112
फोन – 0542 2616289, मो. 9450249555,

आर्थिक सहयोग के लिए जानकारी

Name - Lok Chetana Samiti
Bank - SBI, Sarnath
Account Number - 10255120233
IFSC - SBIN0004560

loksamiti@vahoo.co.in lcsvaranasi@gmail.com, www.lcsvns.org

https://www.facebook.com/public/Lok-Chetana-Samiti-Varanasi http://lcsvns.org/